

80th Birthday Puja

Date : 21st March 2003
Place : New Delhi
Type : Puja
Speech : Hindi & English
Language

CONTENTS

I Transcript

| | |
|---------|---------|
| Hindi | 02 - 03 |
| English | 07 - 08 |
| Marathi | - |

II Translation

| | |
|---------|---------|
| English | 09 - 10 |
| Hindi | 04 - 06 |
| Marathi | 11 - 13 |

ORIGINAL TRANSCRIPT

HINDI TALK

Scanned from Hindi Chaitanya Lahari

सारे सहज योगियों को हमारे ओर से अनन्त आशीर्वाद। इतने बड़े तादाद में आप लोग आज यहां पर हमारा जन्मदिवस मनाने के लिए पधारे। मैं किस तरह से आपको धन्यवाद दूँ? मेरी तो समझ में नहीं आता है! बाहर से भी इतने लोग आये हैं और अपने भी देश के इतने यहाँ सम्मिलित हुए। ये देखकर के हृदय भर आता है। न जाने हमने ऐसा कौन सा अद्भुत कार्य किया है जो आप लोग हमारा जन्म दिन मनाने के लिए यहाँ एकत्रित हुए हैं। आप लोगों का हृदय भी बहुत विशाल है कि आपने आज के दिन इतने दूरस्थ स्थित जगह पर आकर के हमें सम्मानित किया। हमारे पास तो शब्द ही नहीं हैं कि आप लोगों से बताया जाए कि इससे हम कितने आनन्द से पुलकित हो गए!

हिन्दी प्रवचन :

आज मैंने अंग्रेजी में इन लोगों को बताया और आपको बताने की जरूरत नहीं क्योंकि इस देश में तो सब लोग जानते ही हैं कि आध्यात्मिक जीवन कितना महत्वपूर्ण है और लोग चाहते हैं कि आध्यात्म में उत्थान हो। बहुत लोग प्रयत्नशील हैं। कोई हिमालय में जाते हैं तो कोई समुद्र के पास जा कर बैठते हैं। घंटों मेहनत करते हैं, उपवास करते हैं। ये सब करने की जरूरत नहीं है। सहजयोग में आते ही वो पार हो सकते हैं और उनको आशीर्वाद मिल सकता है। लोगों को समझाओ कि सर के बल खड़े होने की कोई जरूरत नहीं। आपकी झोली में ही सहजयोग आ सकता है। वो विश्वास भी नहीं करेंगे, शुरु में, कि यह इतना सहज और सुगम है! पर जब वो देखेंगे कि एक के बाद एक, हजारों लोग इस देश में सहजयोग में आ गए हैं। और मैं चाहती हूँ कि इस देश में सहजयोग बहुत फैलना चाहिए। हमारे प्रश्न, इस देश में बहुत छोटे और ओछे हैं। उनके लिए सहजयोग में एकबार पार हो जाना ही जरूरी है बाद में कुछ करने की जरूरत नहीं। तो अगर यहां के लोग भी, हिन्दुस्तान के, प्रयत्न करें तो बहुत आसानी से वो सहजयोग करवा सकते हैं और लोगों को पार करवा सकते हैं। इस लिए आप सबको मेरा अनन्त आशीर्वाद है कि आपसे, एक एक आदमी से, कम से कम सौ-सौ आदमी पार हो जाएं। ऐसी कोई लोक-संख्या बढी नहीं, ऐसी कोई हमारी अवगढ़ स्थिति नहीं है। बहुत सहज सरल बात है और सहज सरल बात ये है कि समझना चाहिए कि अपने देश में सबसे

सहज सरल बात जो है वो सहजयोग है और इसके लिए सब लोग तैयार हैं। आप कहीं भी जाएं, कोई देहात में जाएं, शहर में जाएं, हर जगह सहजयोग के लिए उपयुक्त है। इसलिए मैं चाहती हूँ कि आप लोग और पूरी तरह से कोशिश करें और अगले साल आज से भी दुगुने लोग यहाँ आ जाएं।

जो आपने मेरा आदर सत्कार किया उसके लिए मैं बहुत आप से धन्यवाद कहती हूँ। लेकिन जैसे कि मैंने चाहा, आप लोग एक-एक आदमी सौ-सौ लोगों को पार कराइए, बस इस से ज्यादा कुछ नहीं। कोशिश करिए। एक गर निष्ठा हो तो हमारा वादा रहा कि आप बहुत ही सहज और सरल तरीके से सौ आदमियों को पार करा सकते हैं साल में।

सबको अनन्त आशीर्वाद, अनन्त आशीर्वाद। ये कार्य हो सकता है, जिनको ये भाषा नहीं आती वो भी ये कार्य कर रहे हैं, तो आप के लिए क्या मुश्किल है? आप के लिए तो सब पृष्ठ भूमि तैयार है। साधु-सन्तों ने महन्तों ने बहुत कार्य किया है इस देश में। इतना तो किसी भी देश में नहीं हुआ था। इसलिए सिर्फ सोचिए कि हिन्दुस्तानी होने के नाते आप कितना ज्यादा उत्तरदायित्व रखते हैं और कितना ज्यादा आप इसको कर सकते हैं? आप सबको मेरा हृदय से अनन्त आशीर्वाद कि आप लोग सफलीभूत हो जाएं। इस निश्चय में आप सफलीभूत हो जाएं। ये मेरा आशीर्वाद हृदय से है। हार्दिक है। और आशा है कि आप इस आशीर्वाद को पूरी तरह से आत्मसात करेंगे। और लोगों को जैसे भी हो सके जागृति पर जागृति देंगे।

HINDI TRANSLATION

(EnglishTalk)

Scanned from Hindi Chaitanya Lahari

अंग्रेजी से अनुवादित :

मैं उन्हें ये बता रही थी कि जिस प्रकार से आप लोग मेरा जन्मदिवस मना रहे हैं उससे मुझे अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है जो आनन्द प्रवाहित हो रहा है उसकी अभिव्यक्ति करने की विधि मैं नहीं जानती।

वास्तव में मैं नहीं जानती कि मैंने आप लोगों के लिए क्या किया है कि आप इतने उत्साह एवं प्रेम से इस कार्य के लिए आगे आए हैं। अपने विशाल हृदय के कारण ही आप

मेरे छोटे से कार्य की सराहना कर रहे हैं। पूरे विश्व में सहजयोग फैल गया है और अभी भी आग की तरह से फैल रहा है। इससे पता चलता है कि यह विश्व की आवश्यकता थी। लोगों को इसकी जरूरत थी। यही कारण है कि इतने उत्साह पूर्वक लोगों ने इसे अपनाया है। भारत जैसे देश की बात तो मुझे समझ में आती है जहां आत्म-साक्षात्कार की बात कही गई परन्तु जिन देशों में उच्च आध्यात्मिक चेतना का ज्ञान नहीं है उन देशों में भी आप लोग महान आशीर्वाद मानकर सहजयोग को समझें, सराहना करें और उसका आनन्द लें, ये बात मेरी समझ में नहीं आती! मैं सोचती हूँ कि ये विशेष समय है जिसमें आप प्रेम एवं प्रकाश के जाल में फँस गए। स्वयं मुझे भी विश्वास नहीं था कि जिस प्रेम का आनन्द अपने अन्तः में लिया जा सकता है उसे आप समझेंगे। आध्यात्मिक सूझ-बूझ क्या है? मैं नहीं जानती थी कि किस प्रकार आप अपनी आत्मा को समझेंगे और इसका आनन्द लेंगे! इसका अर्थ ये हुआ कि आप सबमें इस महान प्रेम तथा आध्यात्मिक जागृति की योग्यता है। इसके विषय में कोई सन्देह नहीं है। किस प्रकार यह इतनी सुन्दरता पूर्वक कार्यान्वित हुआ? ये अत्यन्त आश्चर्य की बात है? जिस प्रकार से आपको आध्यात्मिक शक्तियाँ प्राप्त हुई हैं और जिस प्रकार आप इनका उपयोग कर रहे हैं ये

वास्तव में मानवीय समझ से परे की बात है। यही कारण है कि लोगों को विश्वास नहीं होता कि सहजयोग जैसी भी कोई चीज है तथा मानव में अन्तर्जात एक शाश्वत शक्ति है जिसे जागृत किया जा सकता है। यह मानव की सोच से परे की बात है कि वह अपने अन्दर इस प्रकार की आध्यात्मिक उन्नति प्राप्त कर सकता है। न जाने आपमें से भी कितने लोग इस बात को महसूस करते होंगे कि आपने जो प्राप्त किया है वह महान उपलब्धि है। मानव विकास, मानव उत्थान और सभी प्रकार की उन्नति जो हमने की है यह उन सबकी पराकाष्ठा है। निश्चित रूप से यह विश्व को तथा मानव की सूझ-बूझ को परिवर्तित कर देगा।

आज जबकि इराक का युद्ध जोरों पर चल रहा है। मैं आपसे बात कर रही हूँ। मैं नहीं जानती कि क्या कहा जाए, किस प्रकार ये कार्यान्वित होगा। परन्तु आप सबके शान्ति प्रयत्नों से इसका समाधान हो जाएगा और सर्वत्र शान्ति स्थापित हो जाएगी। इस बात का मुझे विश्वास है। हमें युद्ध नहीं चाहिए, हमें तो मानव का हृदय परिवर्तित करना है अन्यथा उन पर विश्वास नहीं किया जा सकता। आप सबके सम्मुख ये बहुत बड़ी चुनौती है। सबको आत्मसाक्षात्कार देने के इरादे को पूर्ण करने के लिए आपको कठोर परिश्रम करना होगा। केवल भाषण देकर या लोगों को भयभीत करके आप उन्हें रोक नहीं सकते। आन्तरिक जागृति आवश्यक है। मैं नहीं जानती कि कितने लोग इसे लेने का प्रयत्न करेंगे, परन्तु

जितने भी ले सकें उन्हें जागृति देने का प्रयत्न करें। वो सब भी मानव हैं जिन्होंने इस समय जन्म लिया है। अतः वो भी इसके अधिकारी हैं। आप उनसे मिलने का, बातचीत करने का और आत्मसाक्षात्कार देने का प्रयत्न करें। ये ज्यादा कठिन कार्य नहीं है। आप सभी इस कार्य को कर सकते हैं। प्रत्येक सहजयोगी यदि दस पन्द्रह लोगों को भी आत्म-साक्षात्कार दे तो पूरा विश्व परिवर्तित हो जाएगा। यही हमारी अभिलाषा है कि विश्व की सूझ-बूझ को नई शैली में परिवर्तित कर दें, कि मानव रूप में हमें शान्ति पूर्वक रहना है। बिना रंग और राष्ट्र के भेदभाव के हमें मानव की तरह से मिलकर रहना है। मानव और पशु में केवल यही अन्तर है। जब तक हम आध्यात्मिक नहीं हैं तब तक तो ठीक है परन्तु आप यदि लोगों को आध्यात्मिक बना सकें तो मुझे पूरा विश्वास है सभी कुछ परिवर्तित हो जाएगा। जैसा हमने देखा है कि सहजयोग में अब सहजयोगियों को लड़ने झगड़ने की आवश्यकता नहीं है। परस्पर वे अत्यन्त ही शान्त एवं भद्र हैं।

अतः आज हमें प्रार्थना करनी है कि सहजयोग पूरे विश्व में फैले और विश्व का हर मानव आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करे। आपको वचन देना होगा कि पथ-भ्रष्ट मानव को परिवर्तित करने के लिए आप सभी कुछ करने का प्रयत्न करेंगे। मुझे विश्वास है कि एक बार जब ये कार्यान्वित होने लगेगा तो सभी लोग सहजयोगियों के रूप में शान्ति मय जीवन के मूल्य को समझेंगे।

हमें गहन कार्य करना होगा क्योंकि मानव को इसकी आवश्यकता है। आज इसकी अत्यन्त आवश्यकता है। उचित समय पर अब हम सहजयोग करने के लिए, जहां तक सम्भव हो और जहां पर भी आवश्यकता हो सर्वत्र इसे फैलाने के लिए तैयार हैं।

निःसन्देह ये कार्यान्वित होगा और वैसे भी जरूरत हो या न हो, जब मानव में उत्थान की इच्छा होगी, मानवीय असफलताओं से ऊपर उठने की इच्छा होगी तो ये कार्य होगा।

मैं आपको हृदय से आशीर्वाद देती हूँ, अनन्त आशीर्वाद देती हूँ कि सहजयोग का प्रचार करने एवं आत्मसाक्षात्कार देने के अपने कार्य को आप करते रहें। आपको शक्तियाँ प्राप्त हैं, इस बात को आप जानते हैं। केवल इन शक्तियों का उपयोग करें और लोगों को आत्म साक्षात्कार दें। मेरे जन्मदिवस पर यह एक वचन आपको देना होगा।

आप सबको धन्यवाद।



ORIGINAL TRANSCRIPT

ENGLISH TALK

After small hindi speech :

What I was telling them, the way you are celebrating My birthday, I'm overjoyed and I don't know how to express that joy which is really overflowing.

I really don't know what have I done for you that you have come up with such enthusiasm, with such love. It's your great heart which is appreciating My humble work. All over the world, Sahaja Yoga has spread and again spreading like fire. That showed it was the need of the world. It was the need of the people. That's why they have taken to Sahaj Yoga with such enthusiasm. I could understand in a country like India, where they have talked about Self Realization, but in a country which is not aware of a higher spiritual life, you all should appreciate, assimilate and enjoy Sahaja Yoga as a very great blessing of the times. These are special times, I think, that you have fallen into this trap of love and enlightenment. I, Myself, was not very sure that you would appreciate the love that one can enjoy within yourself, what is a spiritual understanding. I didn't know how you would appreciate and enjoy yourself. That means you are all very much capable of this tremendous love and this spiritual awakening. No doubt about it – how is it, it has worked out so beautifully? Very surprising, and also the way you have got your spiritual powers and the way you are using it is really beyond understanding, any human understanding. That's why people don't believe that there's something like Sahaja Yoga, that there is a power in every human being which is universal and which can be enlightened. It's something beyond the conception of human beings that they can achieve this kind of a spiritual growth within themselves.

I wonder how many of you also realize that whatever you have achieved is something great. It is the climax of human development, human growth and all the advancement we have made. This will change, definitely change the world and its understanding. I am talking to you today at the time when the war of Iraq is on, in a very big way. I don't know what to say, how it is going to work out, but with all your efforts towards peace, it will get solved I'm sure and will bring peace everywhere.

We don't want to have wars, but we have to change human beings, otherwise you cannot trust them. This is a very big challenge to all of you. You have to work very hard to get to this idea of giving Realization to everyone, otherwise you cannot stop it just by giving them lectures or threatening them. The awakening is needed within, which, of course, I don't know if everybody will try to have, but as many as can have it, please try to give them awakening because they are all human beings born at this time and so they deserve it; you have to just try meeting them, talking to them and giving them Self Realization. It's not very difficult. Every one of you can do that. Every one of you have only ten to fifteen people and will change the world. That is our ambition, is to change the world to the new style of understanding that we have to live peacefully as human beings. Without any discretion of color, without any discretion of nations, we all have to live together as human beings. This is the only difference between human beings and animals.

As long as we are not spiritual, it's all right. But if you can transform them into spiritual personalities, I'm sure everything will change. As we have seen now in Sahaja Yoga, it doesn't bother a Sahaja Yogi to quarrel or to fight, but they are so peaceful and gentle with each other. So today we have to pray that Sahaja Yoga must spread all over the world and that everyone in the world should get realized. You have to promise that you will go out of the way and try to change the human beings who are just mislaid on their way somewhere.

I'm sure once it starts working out everybody will understand the value of peaceful life as Sahaja Yogis. We have to do intensive work because you can see human beings needed this. Today that is the need of the hour. At the right time, we are now ready to do Sahaja Yoga and spread it all over, as much as possible, wherever you will see the necessity. Of course, it will work, but otherwise also, whether there is necessity or not, there's an urge in the human beings to rise, rise above all these human failures.

I bless you from My heart, bless you very much, that you carry on your work of Sahaja Yoga, of spreading Sahaja Yoga, of giving Realization. You have got powers. You know you have. Only use that power and give Realization to people. That is one promise you have to make on My birthday.

Thank you very much.

(Hindi speech start)

ENGLISH TRANSLATION

(Hindi Talk)

Scanned from English Divine Cool Breeze

80th Birthday Puja Pravachan
(Translated from Hindi)

Today I told them in English language but there is no need to tell it to you (Indians) because the people of this country know as to how significant spiritual life is. They wish to ascend spiritually and make efforts to achieve this end. Some go to Himalayas and others go and sit near the seas. For hours together they work hard and observe fasts.

There is no need to do all this penance. When they come to Sahaja Yoga, they get

their self realization immediately. They get all the blessings. You should go and tell such people that there is no need to stand on the head (in Shirsha Asana). Sahaja Yoga will come to you without doing any penance. To begin with, they will not believe that it is so easy, but they will be convinced when they see that one after another thousands of people of this country have come to Sahaja Yoga. It is my desire that Sahaja Yoga should spread in a big way in this country. The problems of the people of this country are very small and insignificant. Once you get your realization in Sahaja Yoga, nothing will remain to be done. If the people of this country make little efforts, they could spread Sahaja Yoga and give realization very easily. My eternal blessings to all of you that each one of you gives realization to at least one hundred people. Our numbers have not yet increased so much. Our state is not so immature. It is so easy to understand that Sahaja Yoga is the easiest way and seekers are ready to get it. To the villages or cities, wherever you go, it is suitable for Sahaja Yoga. It is, therefore my desire that you should do it whole-heartedly and next year the number of Sahaja Yogis, who come here, gets doubled.

I thank you very much for the respect

and love that you have given to me. But the way I have desired, each one of you should give realization to at least one hundred people. That is all. Try. If you have faith, then it is my promise that in a year each one of you will give realization to hundred people very easily.

Eternal blessings to you all; eternal blessings. This can be done. Those who do not know this language are doing it, then what is the difficulty for you? The whole preparation has been made for you. Saints and seers have done a lot of work in this country. In no other country, so much was done. So as an Indian, you should think as to how much responsibility lies on your shoulders and how much you could do this work. My hearty blessings to all of you that you succeed in your mission. May your resolve be crowned. This is my hearty blessing. It is hearty and I hope you will imbibe it fully and continue to give Self-realization to people.

Eternal blessings to you all



MARATHI TRANSLATION

(Hindi Talk)

Scanned from Marathi Chaitanya Lahari



इथे बरेचजण परदेशांतील लोक असल्यामुळे सर्वजण इंग्रजीमधून बोलत होते. आज मी तुमच्याबरोबर मानवी जीवनावद्दल बोलणार आहे. हे जीवन सतत प्रवाही असते, तुमच्या वयाशी त्याचा संबंध नसतो; पण सहजयोगामधून तुमच्यामध्ये जो प्रकाश आला आहे त्याचा तुम्ही कसा उपयोग करता हेच महत्वाचे आहे. तुम्ही कुण्डलिनी जागृत झाल्यामुळे आत्मप्रकाशांत आलेला आहांत; तुम्हाला तिची सर्व माहिती आहे; पण तरीही तुम्ही मानवजातीच्या उध्दारासाठी कसे व किती प्रयत्नशील आहांत हीच एकमेव प्राधान्यक्रमाची गोष्ट आहे. लोकांबद्दल चुका दाखवून त्यांची अवेहलना करण्यापेक्षा त्यांना उन्नतीच्या उच्च स्तरावर आणणे हेच तुमचे कर्तव्य आहे; तरच त्यांना आत्मसन्मान समजेल व आत्मसाक्षात्कार मिळण्यामधील भाग्य लक्षांत येईल.

ही फार महत्वाची गोष्ट आहे. मला बरेच सहजयोगी दुसऱ्यांबद्दल टीका करताना आढळतात. आपल्याला आत्मसाक्षात्कार प्राप्त झाल्यावर इतरांनाही तो मिळवून देणे हेच आपले कर्तव्य आहे याचा त्यांना विसर पडतो. हे समजले तरच तुमचे राजकीय, अर्थिक असे सर्व प्रश्न सुटणार आहेत. ह्या प्रकारचे प्रश्न आपले मनच अपरिपक्व असल्यामुळे निर्माण करत असते. पण हेच मन परिपक्व झाले की तुमचे प्रश्नच संपतात आणि मग तुम्हाला दुसऱ्यांच्या कल्याणाबद्दल आस्था वाटू लागते. हे मला सांगण्याची जरूर नाही इतके हे स्वतःमधील परिवर्तन तुमचे तुम्हालाच समजून येते. हीच सर्वात महत्वाची गोष्ट आहे हे लक्षांत घ्या. तुमच्यापैकी बरेच जण व्यवसाय, उद्योग, राजकारण इ. क्षेत्रात मग्न व यशस्वीही आहांत. पण दुसऱ्याला आत्मसाक्षात्कार मिळवून

देण्याइतकी समाधानकारक

दुसरी गोष्ट नाही. सहजयोगांत इतक्या मोठ्या संख्येने लोक येत आहेत ही फार आनंददायक गोष्ट आहे, सहजयोग इतक्या मोठ्या प्रमाणावर पसरले याची खरे तर मलाही कल्पना नव्हती, पण माझ्याच आयुष्यभरात हे घडून आले आहे ह्याचे मला फार-फार समाधान आहे. दूर-दूरच्या देशांमध्येही सहजयोग आता पसरत आहे व वाढतही आहे; अधिकाधिक जनता सहजयोगांत उतरत आहे. आता कांही लोक आपल्या देशांतच कार्य न करता बाहेरच्या प्रांतांमध्ये जाऊन सहजयोगाचा प्रसार करत आहेत. मी स्वतः आजकाल सगळीकडे जाऊ शकत नसले तरी सहजयोग वेगाने पसरत आहे हे सर्व पाहून मला किती आनंद होत आहे याची तुम्हा लोकांना कल्पना येणार नाही. त्यातल्या त्यात ४३ देशांमध्ये तर सहजयोग फारच मोठ्या प्रमाणावर बहारत आहे आणि इतर ठिकाणीही तो जम धरत आहे. हे सर्व तुमच्या प्रयत्नांमुळे घडून आले आहे आणि या अपूर्व चमत्काराचे सारे श्रेय तुमचे आहे. म्हणून भारतामधील व परदेशांतीलही हे महान कार्य करण्याच्या सर्व सहजयोग्यांची मी फार अभारी आहे. दुसऱ्यांचे दोष काढून त्यांना कमी लेखण्यापेक्षा त्यांना अध्यात्मिक उन्नतीकडे वळवणे हे फार महान कार्य आहे. त्यांतूनच जगभरातील प्रश्न तुम्हाला समजतील आणि संपूर्ण मानवजातीमध्ये परिवर्तन घडून येईल. हे सर्व कुण्डलिनीच्या जागरणामधूनच शक्य होते व ह्यांतच तिची महानता आहे; त्यातूनच मानव एका उच्च स्तरावर उन्नत होतो. हे सर्व पूर्वीपासून लिहिलेले आहे पण सहजयोग्यांचे वैशिष्ट्य हेच आहे की त्यांना नवीन लोकांना सहजयोग प्राप्त करून देण्याची शक्ति मिळाली आहे; त्यांची कुण्डलिनी जागृत करण्याची शक्ती

त्यांच्याजवळ आहे. या शक्तीचा उपयोग सहजयोग्यांनी केलाच पाहिजे. त्यांतूनच जगभरातील मानवजातीचे कल्याण होणार आहे. माझ्या जीवनकालामध्येच हे घटित होईल का नाही हे मला माहित नाही पण तुम्ही सहजयोगी हे घडवून आणणार आहांत याची मला खात्री आहे.

तुम्हा सर्वांचे मनःपूर्वक आभार व सर्वांना परमेश्वराचे अनंत आशीर्वाद. सर्व सहजयोग्यांनाही माझे अनंत आशीर्वाद.

माझा जन्मदिवस साजरा करण्यासाठी एवढ्या मोठ्या संख्येने तुम्ही इथे जमले आहांत याबद्दल तुमचे कसे आभार मानावेत हेच मला समजेनासे झाले आहे. जवळपासचेच नव्हे तर दूर दूरहून इथे इतके लोक उपस्थित असल्याचे पाहून माझे हृदय भरून आले आहे. माझा जन्मदिवस साजरा करण्यासाठी तुम्ही एवढे लोक एकत्रित येण्याइतके काय मोठे विशेष कार्य मी केले आहे हा मलाच प्रश्न पडतो. एवढ्या आडवळणावरच्या ठिकाणीही तुम्ही मोठ्या संख्येने येऊन समारंभाची इतकी भव्य व्यवस्था केली यांतूनच तुमचे हृदय किती विशाल आहे हे मला समजले तरी ते व्यक्त करण्यासाठी मला शब्दच सुचेनासे झाले आहे. मी खूप भारावून गेली आहे.

आज जगांत सगळीकडे सहजयोग इतक्या वेगाने व सर्व ठिकाणी वणव्यासारखा पसरत आहे यातून हेच दिसून येते की आजच्या काळाची ती निकडीची गरज आहे. म्हणूनच जास्तीत-जास्त लोक

सहजयोगाचा स्वीकार करत आहेत. भारतासारख्या देशांत पूर्वीपासूनच अध्यात्मिक संस्कृति असल्यामुळे हे समजू शकते; पण पाश्चात्य देशांमध्ये तसे वातावरण नसूनही ते लोक सहजयोगी जीवनाचा आनंद प्राप्त करून घेण्यास उत्सुक होत आहेत हा कालाचाच महिमा व आशीर्वाद म्हटले पाहिजे. तुम्हाला आत्मसाक्षात्काराचा व प्रेमाचा प्रकाश मिळाला आहे हाच या काळाचा चमत्कार आहे. ह्या प्रेमभावनेचा आनंद तुम्ही मिळवू शकाल की नाही याची मलाही आजपर्यंत खात्री नव्हती; तुमची अध्यात्मिक स्थिति हा आनंद मिळवून देईल याची मला कल्पना नव्हती. पण आता मला दिसत आहे की प्रेम व अध्यात्मिक उन्नति व आत्मसाक्षात्कार मिळवण्यास तुम्ही सिध्द होताच. हे सर्व इतक्या सुंदर तऱ्हेने घटित झाले आहे हा एक चमत्कारच आहे. तुम्हाला ही आध्यात्मिक शक्ति मिळाली व तिचा तुम्ही चांगला उपयोग करत आहात ह्याची आधी कल्पनाच नव्हती. सामान्य माणसामध्येच ही शक्ति अंतर्भूत आहे व ती जागृत होऊ शकते व कार्य करू शकते याची त्याला जाणीव नव्हती. सामान्य माणसाच्या आवाक्यांत ही कल्पना असणं अशक्यच आहे. तुम्हा सहजयोग्यांनाही हे तुमचे यश किती महान आहे याची कल्पना आहे की नाही हे मलाही समजत नाही, पण या तुमच्या कार्यामधूनच जगामध्ये सर्व परिवर्तन घडून येणार आहे.

आज इराकमध्ये मोठ्या प्रमाणावर युद्ध चालू आहे, त्याचा परिणाम व शेवट काय होणार आहे मला माहित नाही. पण आपल्या



सर्वांच्या इच्छाशक्तीचा प्रभाव पडून ते लवकरच संपेल व पुन्हा एकदां सर्वत्र शांतता नांदू लागेल. (टाळ्या) आपल्याला युद्ध नको आहेत पण मानवांमध्ये आंतूनच परिवर्तन घडवून आणायचें आहे. हे तुमच्यासमोर मोठे आव्हान आहे व त्यासाठी तुम्हाला खूप कष्ट कराव्या पाहिजेत; जास्तीत - जास्त लोकांना आत्मसाक्षात्कार दिल्याशिवाय ही परिस्थिती बदलणार नाही. प्रत्येक माणसाला तो मिळेल असा विचार न करता जेवढ्या - केवढ्यांना तो मिळवून देता येईल तेवढा प्रयत्न करत रहा. या कलियुगांत जन्माला आलेले मानव असल्यामुळे ते त्याला पात्रच आहेत हे लक्षांत घ्या; त्यांच्याबरोबर संवाद साधा, प्रयत्न सोडू नका आणि आत्मसाक्षात्कार देण्याचे कार्य करत रहा. हे अवघड नाही, तुमच्यापैकी प्रत्येक जण ते करू शकतो. प्रत्येकाने दहा-पंधरा जणांना जरी आत्मसाक्षात्कार दिला तरी जगांमध्ये बदल घडून येईल. हेच आपले ध्येय आहे. मगच एकमेकांबरोबर शांततेत राहण्यांतच सहानुभूति आहे हे त्यांना समजेल; देश-वर्ण - जात हे भेदभाव नाहीसे होतील व सर्व मानवप्राणी बंधुभावामध्ये राहतील. मानव आणि पशू यांत हाच फरक आहे. सर्व समाजांत अध्यात्मिक परिवर्तन घडून आले तर सर्व काही सुरळित होणार आहे याची मला खात्री आहे.

म्हणून आज आपण प्रार्थना करू या की सहजयोग जगभर पसरू दे, प्रत्येकाला आत्मसाक्षात्कार मिळू दे. हीच तुम्ही प्रत्येकाने प्रतिज्ञा करा म्हणजे चुकलेल्या मार्गाकडे गेलेली सर्व माणसे सन्मार्गाकडे वळतील. हे घडून आले की सगळीकडे सहजयोगाची शांतता पसरेल. हीच काळाची गरज असल्यामुळे तुम्हाला त्यासाठी अविश्रांत मेहनत घ्यायला हवी; सहजयोग जितका जास्त पसरेल तितकी त्याला चालना मिळणार आहे. त्यासाठी मी तुम्हाला हृदयापासून आशीर्वाद देते, तुम्हाला मिळालेल्या शक्तीचा पुरेपूर उपयोग करून आधिकाधिक



लोकांना जागृति देत रहा.

माझ्या या वाढदिवशी मला तुमच्याकडून हेच वचन हवे आहे.

इथल्या लोकांना जास्त कांही सांगण्याची जरूर नाही, इथल्या जीवनात अध्यात्मिकतेला मुळांतच महत्त्व आहे. आणि लोकांना त्यामधून होणाऱ्या उध्दाराची जाण व जिज्ञासा असते. हिमालयांत जाऊन तप करणें, समुद्रकाठी चिंतन करणें, इतर धार्मिक कार्यक्रमांला नियमित जाणें, उपास - तापास करणें हे पूर्वीपासून चालत आले आहे. पण आतां हे करण्याची जरूरी नाही. सहजयोगात आल्या आल्याच ते पार होतात, व त्यांना सर्व आशीर्वाद मिळू शकतात. नवीन लोकांचा विश्वासच होत नाही की हे सर्व इतक्या सहजपणें व सुगम रीतीने कसे घडून येते. पण त्यांच्याकडे

पाहून हजारोंनी लोक सहजयोगांत उतरतील. म्हणून इथें सहजयोग खूप पसरण्यासारखा आहे आणि इथल्या लोकांनी मनावर घेऊन प्रयत्न केले तर हे सहज शक्य आहे. तुमच्यापैकी प्रत्येकानें कमीत कमी शंभर लोकांना जागृति दिली तर सहजयोग खूप वाढेल. कुठेही गेलात तरी लोक सहजयोग स्वीकारायला उत्कुक असल्याचे तुम्हाला आढळून येईल. म्हणून माझी इच्छा आहे की तुम्ही लोक जोमाने कार्य करण्याच्या मागे लागू व प्रयत्न करत रहा. पुढच्या वर्षी या समारंभाला आजच्यापेक्षां दुप्पट लोक येतील अशी मी आशा करते. तुम्ही लोकांनी आज जो माझा आदर-सत्कार केला त्याबद्दल मी मनापासून धन्यवाद देते. पण पुन्हा एकदां सांगावेसे वाटते की तुम्ही प्रत्येकाने दरवर्षी कमीत कमी शंभर लोकांना जागृति द्या. भारतीयांचे हे कर्तव्य आहे व तुमच्या पाठीमागें माझे आशीर्वाद आहेत व हे कार्य होणारच आहे अशी निष्ठा बाळगा.

सर्वांना अनंत अनंत आशीर्वाद

